अन्जाम

वह हॉस्पिटल के बेड पर आँख मून्दे पड़ा था। काफ़ी रात हो चुकी थी और आस पास के सारे ही मरीज़ सो चुके थे। उसने आँख खोली फिर तकिये के नीचे से अपनी घड़ी निकाल कर वक़्त देखा रात के बारह बजने वाले थे। इसके मानी अब सिस्टर रुमाना उसका टेम्प्रेम्चर देखने आती ही होंगी। अब वह आँख खोलकर सिस्टर रुमाना का इन्तिज़ार करने लगा। थोड़ी देर में सिस्टर रुमाना आ गयीं उसी मासूम मुस्कुराहट के साथ जिसे देखकर मरीज़ का आधा बुख़ार तो वैसे ही ख़त्म हो जाता है। और जिनकी बातों की मिठास से मरीज़ की सारी थकाहट दूर हो जाती है। सिस्टर रुमाना ने उसके माथे पर हाथ रखा और बोली अब तो बुख़ार कम लगता है। फिर उसके मुँह में थर्मामीटर लगा दिया। वह मुँह में थर्मामीटर दबाये सिस्टर रुमाना के चेहरे पर नज़रें गाड़े था। और सिस्टर रुमाना की नज़रें उसकी अपनी कलाई पर बन्धी घड़ी की सेकेन्ड की सूई के तआक़ुब में थीं। थोड़ी देर में उसने थर्मामीटर उसके मुँह से निकाल लिया। अरे अब तुम्हारा बुख़ार बिल्कुल नॉरमल हो गया। कल तुम्हें डाक्टर साहब डिस्चार्ज कर देंगे। ख़ुश होना, वह मुस्कुराई, नहीं सिस्टर ऐसा न कहो वह अन्दर ही अन्दर चीख़ पड़ा, सिस्टर रुमाना वहाँ से चल दी। उसने आँखें बन्द कर लीं।

वह दफ़्तर से थका मारा घर में दाख़िल हुआ। ऐसे ही हाथ झुलाते आ गये। सब्ज़ी क्यों नहीं लाये। उसकी बीवी ने उसका इस्तक़बाल किया। अरे मैं दफ़्तर से आ रहा हूँ कोई बाज़ार से नहीं आ रहा हूँ। थोड़ी देर सुस्ता लूँ फिर सब्ज़ी ले आऊँगा। अब तुम घन्टे भर सुस्ताओगे फिर बाजार जाओगे। अरे मैं तुम्हारी ज़र ख़रीद हूँ। जो हर वक़्त बावर्चीख़ाने में घुसी रहूँ। वह ग़ुस्से में उठा और झोला उठाकर घर से बाहर निकल गया।

इस पैकेट में क्या है। तुम्हारे लिये साड़ी लाया हूँ। उसकी बीवी ने पैकेट खोलकर साड़ी निकाल ली। इससे ज़्यादा बढ़िया साड़ी तुम्हें बाज़ार

में नहीं मिली थी। कपड़ा ज़रा देखो जैसे टाट। क्या कहीं मुफ़्त में बट रही थी जो उठा लाये। उसकी बीवी ने साड़ी उसके मुँह पर दे मारी। वह साड़ी समेटने लगा।

क्या बात है आज अभी तक लेटे हो। क्या दफ़्तर नहीं जाना है। उस की बीवी ने पूछा। रात में भीग गये थे उसकी वजह से शायद कुछ बुखार है। रात भर नींद भी नहीं आयी। इसवक़्त भी सर में दर्द है। अरे दफ़्तर का कोई काम नहीं किया होगा। तब ही नहीं जा रहे हो कि डाँट न खानी पड़े। इतनी बहाने बाज़ी की क्या ज़रूरत है। वह झल्लाकर उठा। और बिना नाश्ता किये दफ़्तर के लिये रवाना हो गया। वह ऑफ़िस से घर लौटने के बाद काफ़ी खुश था। आज उसका लोवरडिवीज़न क्लर्क से अपरडिवीज़न क्लर्क में परमोशन हो गया था। क्या बात है रोज़ की तरह बजाये मुँह लटकाये आज काफ़ी खुश नज़र आ रहे हो उसकी बीवी ने पूछा। हाँ आज मैं यू-डी-सी हो गया। उसने जवाब दिया। अरे कुछ तनख़्वाह भी बढ़ेगी कि नहीं। हाँ-हाँ क्यों नहीं हर महीने अब पूरे १२० रुपया ज़्यादा मिलेंगे। अरे १२० रुपया ज़्यादा मिलें या २२०, तुम तो वैसे ही फटे हाल रहोगे। वह टूटे हुये बटन की आस्तीन को मोड़ने लगा।

यह कल मेरी सहेली से क्यों हँस कर बात कर रहे थे। उसकी बीवी काफ़ी ग़ुस्से में भरी थी। तो क्या रोकर बात करता। उसने हिम्मत करके जवाब दिया। वह तो हर्राफ़ा है ही, क्या मालूम था कि तुम भी आवारा हो।

लो ख़त आया है तुम्हारी अम्मा बीमार हैं। अब दफ़्तर का नागा करो और जाओ। दस रोज़ की छुट्टी लेकर और जितना अब तक रुपया जोड़ा है दे आओ उन्हें उसकी बीवी काफ़ी तनतना रही थी। उसने जल्दी से फ़ाइलें मेज़ पर फेंकीं और उसके हाथ से ख़त छीनकर पढ़ने लगा। वापस लौटकर आया तो तेज़ बुखार था। उस के बाद वह दूसरे रोज़ दफ़्तर जाने के क़ाबिल नहीं रहा उसने चारपाई पकड़ ली थी। कई रोज़ हो गये लेकिन बुखार उतरने का नाम नहीं लेता था। उसकी इस बीमारी की हालत में भी उसकी बीवी की चीख़पुकार

में कमी नहीं आयी। फिर उसके कुछ दोस्तों ने उसे अस्पताल में दाखिल करा दिया। और अस्पताल में सिस्टर रुमाना के शीरीं लहजा और धीमी मुस्कुराहट उसके अन्दर काफ़ी इन्क़लाब ला रही थी।

यही सब सोचते-सोचते उसकी किसी वक़्त आँख लग गयी। उसे पता नहीं चला वह सुबह उठा। सिस्टर रुमाना ने उसका एक बार फिर टेम्प्रेचर चेक किया। फिर खुश होकर बोली अब तो आप बिल्कुल ठीक हो गये हैं। इसके बाद डाक्टर राउन्ड पर आया उसको भला चंगा देखने के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया। डाक्टर जा चुका था। और वह फिर दोबारह बीमार नज़र आने लगा। उसने अपना सामान दुरुस्त किया और वहीं बेड पर रखा। और फिर सिस्टर रुमाना के केबिन में दाखिल हो गया। सिस्टर रुमाना उसके इस तरह आ जाने से कुछ हैरान हुईं।

आज मेरी अस्पताल से छुट्टी हो गयी। मैं वापस घर जा रहा हूँ। अच्छा। रुमाना ने खुशी का इज़हार किया। रुमाना मैं आप से कुछ बात करना चाहता हूँ। बिल्कुल पर्सनल आप बुरा तो नहीं मानेंगी। रुमाना ने उसकी तरफ़ देखा कुछ सोचती रही फिर बोली कहिये, आपकी शादी हो गयी है? उसने पूछा- अभी नहीं रुमाना ने मुख़्तसर सा जवाब दिया। रुमाना मैं एक कम्पनी में सीनियर क्लर्क हूँ। मेरी शादी हो चुकी है। लेकिन मैं अपनी बीवी से तलाक़ ले रहा हूँ। मैं आप से शादी करना चाहता हूँ। सिस्टर रुमाना ने उसे घूरा फिर बोली देखिये मेरे लिये यह कोई नयी बात नहीं है। मैं अक्सर इस क़िस्म के मज़ाक़ से दो चार होती रहती हूँ। डाक्टर से लेकर कम्पाउंडर और आप जैसे मरीज़ मुझसे इस क़िस्म का मज़ाक़ करते रहते हैं। नहीं रुमाना मैं बिल्कुल मज़ाक़ नहीं कर रहा हूँ। मैं आप से बिल्कुल सच कह रहा हूँ। रुमाना थोड़ी देर तक उसके आँखों में देखती रही। उसकी आँखों में छुपा सच उसने पढ़ लिया था। आप इजाज़त दें तो मैं आपके वालिद साहब से इस सिलसिले में मिल लूँ। वह आहिस्ता से बोली मेरे वालिद नहीं हैं वालिदा भी नहीं हैं। बस सिर्फ़ एक छोटा भाई है। जिसे मैं पढ़ा रही हूँ। मुझे शादी करने में कोई एतराज़

नहीं। बहुत-बहुत शुक्रिया समाना, अब तुम को जो तारीख़ सूट करे हम उस रोज़ शादी कर सकते हैं। कल मैं तुमसे मिलने आऊँगा। अब इजाज़त दो फिर वह बहुत सुतमइन घर वापस आ गया।

कहो बहुत दिन अस्पताल में पड़े रह गये। बहुत दिल लग गया वहाँ ख़ूब नर्सों से आँख मटका रहे होगे। उसकी बीवी का मूड काफ़ी ख़राब लग रहा था। देखो तुम हद से बढ़ जाती हो। अब मैं तुम्हारी कोई बात बरदाश्त नहीं कर सकता। उसने हिम्मत करके कहा अच्छा क्या करलोगे तुम, तुम्हारे लिये मेरे पास अब एक ही जवाब है क्या जवाब है उसकी बीवी ने दोनों हाथ कमर पर रख लिये थे। सिस्टर रूमाना अब मेरी बीवी बनने जा रही है। उसने एक झटके से कहदिया क्या कहा तुमने उसकी बीवी ज़ोर से चीख़ी थी। अब वह धम से ज़मीन पर बैठ गयी। उसकी चीख़ अब सिसकियों में तबदील हो रही थी।

ooo